[नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत CBSE द्वारा जारी नवीनतम पाठ्यक्रम एवं NCERT द्वारा जारी नवीनतम पाठ्यपुस्तकों पर आधारित]

संजीव रिफ्रेशर

संस्कृत
रुचिरा (प्रथमो भागः)

कक्षा 6 के विद्यार्थियों के लिए

मुख्य विशेषताएँ

- पाठ परिचय
- मूल पाठ, अन्वय, कठिन शब्दार्थ एवं हिन्दी अनुवाद
- पठित अवबोधनम्
- पाठ्यपुस्तक के सभी प्रश्न
- अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न
- व्याकरण
- रचनात्मक कार्य
- अपठित-अवबोधनम्

प्रकाशक :

संजीव प्रकाशन

जयपुर

मूल्य : ₹ 160.00

प्रकाशक :

संजीव प्रकाशन

धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

जयपुर-3

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com

website : www.sanjivprakashan.com

© प्रकाशकाधीन

लेजर टाइपसैटिंग :

संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

★ ★ ★ ★

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–
  email : sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके–इलेक्ट्रोनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

प्रथमः खण्डः

रुचिरा (प्रथमो भागः)

1.	शब्दपरिचयः-I	1-11
2.	शब्दपरिचयः-II	12-20
3.	शब्दपरिचयः-III	21-28
4.	विद्यालयः	29-38
5.	वृक्षाः	39-48
6.	समुद्रतटः	49-57
7.	बकस्य प्रतीकारः	58-66
8.	सूक्तिस्तबकः	67-74
9.	क्रीडास्पर्धा	75-83
10.	कृषिकाः कर्मवीराः	84-92
11.	दशमः त्वम् असि	93-99
12.	विमानयानं रचयाम	100-108
13.	अहह आः च	109-116

द्वितीयः खण्डः

व्याकरण-भागः

1.	वर्ण-परिचयः/वर्णमाला एवं मात्रा-ज्ञान	117-124
2.	लिङ्ग-ज्ञानम्	124-127
3.	वचन-ज्ञानम्	127-130
4.	पुरुष-ज्ञानम्	131-132

5. विशेषण-विशेष्य-ज्ञानम् 132-135
6. कारक-विभक्ति-परिचयः 135-141
7. शब्दरूपाणि 141-154
8. धातुरूपाणि 155-164
9. संख्याज्ञानम् 165-174
10. अव्यय-ज्ञानम् 174-179
11. अशुद्धि-संशोधनम् 180-188
12. सन्धि-ज्ञानम् 188-195
13. उपसर्गाः 195-200
14. प्रत्यय-ज्ञानम् 200-207
15. अनुवादकार्यम् 207-215

तृतीयः खण्डः

रचना-भागः

1. चित्राधारित-वर्णनम् 216-223
2. अनुच्छेद/लघुकथा-लेखनम् 223-226
3. पत्र-लेखनम् 226-232
4. संवाद-लेखनम् 232-234
5. अपठित-अवबोधनम् 234-240
- **परिशिष्टम् 241-245**

संस्कृत–कक्षा-6

प्रथमः खण्डः

रुचिरा (प्रथमो भागः)

प्रथमः पाठः

शब्दपरिचयः–I

(शब्द–परिचय)

1

पाठ-परिचय–प्रस्तुत पाठ में चित्रों के माध्यम से अकारान्त पुंल्लिङ्ग शब्दों का परिचय कराया गया है। जिन शब्दों के अन्त में 'अ' स्वर आता है, वे अकारान्त शब्द कहलाते हैं। पुरुष जाति का ज्ञान कराने वाले शब्द पुंल्लिङ्ग कहलाते हैं। **जैसे**—राम, मोहन, वृक्ष, बालक, वृद्ध आदि। पाठ में अकारान्त पुंल्लिङ्ग शब्दों के साथ प्रयोग में आने वाले सर्वनाम शब्दों का तथा कर्त्ता पद के साथ प्रयुक्त क्रियाओं (धातुओं) का भी प्रायोगिक ज्ञान कराया गया है। संज्ञा शब्दों में जो लिङ्ग, विभक्ति एवं वचन होता है, वही सर्वनाम में भी होता है। **जैसे**—एषः चषकः। यहाँ 'चषकः' संज्ञा शब्द पुंल्लिंग, प्रथमा विभक्ति व एकवचन का रूप है, अतः 'एषः' सर्वनाम भी पुंल्लिंग, प्रथमा विभक्ति व एकवचन का रूप है। इसी प्रकार कर्ता जिस पुरुष एवं वचन का होता है, क्रिया भी उसी पुरुष एवं वचन की आती है। **जैसे**—बालकः पठति। सः क्रीडति। ते गच्छन्ति। आवां वदावः। यूयम् चलथ।

मूलपाठस्य अवबोधनम्–

(मूल पाठ, शब्दार्थ, सरलार्थ और पठित-अवबोधनम्)

(1)

एषः कः ?
एषः चषकः।
किम् एषः बृहत्?
न, एषः लघुः।
सः कः ?
सः सौचिकः।
सौचिकः किं करोति?
किं सः खेलति?
न, सः वस्त्रं सीव्यति।

शब्दार्थाः–एषः (पुँल्लिग) = यह (this)। **कः** = कौन (पुँल्लिग) (who)। **चषकः** = गिलास (glass)। **किम् (नपु.)** = क्या (what)। **बृहत्** = बड़ा (big)। **लघुः** = छोटा (small)। **सः** = वह (he)। **सौचिकः** = दर्ज़ी (tailor)। **खेलति** = खेलता है (play)। **न** = नहीं (no)। **करोति** = करता है (does)। **वस्त्रम्** = कपड़ा (clothes)। **सीव्यति** = सिलाई करता है (sews)।

सरलार्थ–यह क्या (कौन) है?
यह गिलास है।

क्या यह बड़ा है?
नहीं, यह छोटा है।
वह कौन है?
वह दर्ज़ी है।
दर्ज़ी क्या करता है?
क्या वह खेलता है?
नहीं, वह कपड़ा सिलता (सींता) है।

विशेष—यहाँ सभी वाक्य एकवचन में प्रयुक्त हुए हैं।

पठित-अवबोधनम्—

निर्देशः—उपर्युक्तवाक्यानि पठित्वा एतदाधारितप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत—
(उपर्युक्त वाक्यों को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—)

प्रश्नाः—

I. एकपदेन उत्तरत—
(i) लघुः कः अस्ति?
(ii) वस्त्रं कः सीव्यति?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत—
सौचिकः किं करोति?

III. निर्देशानुसारम् उत्तरत—
(i) .... चषकः। अत्र सर्वनामपदं किम्?
(अ) एषः (ब) एषा (स) एतत् (द) इदम्
(ii) 'बृहत्' इति पदस्य अत्र विलोमपदं किम् अस्ति?
(अ) विशालः (ब) दीर्घः (स) अल्पः (द) लघुः
(iii) 'दर्जी' इत्यर्थे किम् पदम् अस्ति?
(अ) चषकः (ब) शुनकः (स) सौचिकः (द) शुकः
(iv) अकारान्त-पुंल्लिङ्गशब्दः चित्वा लिखत—
(अ) बाला (ब) चषकः (स) एतत् (द) वृद्धाः

उत्तराणि— I. (i) चषकः। (ii) सौचिकः।
II. सौचिकः वस्त्रं सीव्यति।
III. (i) (अ) एषः। (ii) (द) लघुः।
(iii) (स) सौचिकः। (iv) (ब) चषकः।

(2)

एतौ कौ?
एतौ शुनकौ स्तः।
किम् एतौ गर्जतः?
न, एतौ उच्चैः बुक्कतः।
तौ कौ?
तौ बलीवर्दौ स्तः।
किं तौ धावतः?
न, तौ क्षेत्रं कर्षतः।

शब्दार्थाः—एतौ (पु.) = ये दोनों (these two)। **कौ (पु.)** = कौन (द्विव.) who (dual)। **स्तः** = हैं (द्विव.) are (dual)। **शुनकौ** = (दो) कुत्ते (two) dogs। **गर्जतः** = गरजते हैं (द्विव.) roar (dual)। **उच्चैः** = ज़ोर

से (aloud)। **बुक्कतः** = भौंकते हैं (द्विव.) bark (dual)। **तौ** = वे दोनों (those two)। **बलीवर्दौ** = दो बैल (two oxen)। **धावतः** = दौड़ते हैं (run)। **क्षेत्रम्** = खेत (field)। **कर्षतः** = जोतते हैं (plough)।

सरलार्थ– ये दो कौन हैं?

ये दो कुत्ते हैं।

क्या ये दोनों गरजते हैं?

नहीं, ये दोनों जोर से भौंकते हैं।

वे दो कौन हैं?

वे दो बैल हैं।

क्या वे दोनों दौड़ रहे (दौड़ते) हैं?

नहीं, वे दोनों खेत जोत रहे (जोतते) हैं।

विशेष–उपर्युक्त सभी वाक्यों में द्विवचन का प्रयोग हुआ है।

पठित-अवबोधनम्–

प्रश्नाः–

I. एकपदेन उत्तरत–

(i) उच्चैः कौ बुक्कतः?

(ii) कौ क्षेत्रं कर्षतः?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत–

शुनकौ किं कुरुतः?

III. निर्देशानुसारम् उत्तरत–

(i) "........................ गर्जतः।" अत्र सर्वनामपदं किम्?

(अ) एते (ब) एषः (स) एतौ (द) एतत्

(ii) "तौ ....।" अत्र उचितं क्रियापदं किम्?

(अ) धावतः (ब) धावति (स) धावन्ति (द) धावसि

(iii) 'कुक्कुरौ' (दो कुत्ते) इत्यर्थे किं पदं प्रयुक्तम्?

(अ) शुनकौ (ब) बलीवर्दौ (स) गजौ (द) शुकौ

(iv) द्विवचनस्य रूपं किम् अस्ति?

(अ) कर्षति (ब) कर्षन्ति (स) गर्जति (द) कर्षतः

उत्तराणि– I. (i) शुनकौ। (ii) बलीवर्दौ।

II. शुनकौ उच्चैः बुक्कतः।

III. (i) (स) एतौ। (ii) (अ) धावतः।

(iii) (अ) शुनकौ। (iv) (द) कर्षतः।

(3)

एते के?

एते स्यूताः सन्ति।

किम् एते हरितवर्णाः?

नहि, एते नीलवर्णाः सन्ति।

ते के?

ते वृद्धाः सन्ति।

किं ते गायन्ति?

नहि ते हसन्ति।

शब्दार्थाः—**एते** = ये (बहुवचन) (these)। **के** = कौन/क्या (बहुवचन) (who/what) (plural)। **स्यूताः** = बैग/थैले (bags)। **हरितवर्णाः** = हरे रंग के (green coloured)। **नीलवर्णाः** = नीले रंग के (blue coloured)। **ते** = वे (those)। **गायन्ति** = गाते/गा रहे हैं (sing/are singing)। **वृद्धाः** = बूढ़े (old/elderly persons)। **हसन्ति** = हँसते हैं/हँस रहे हैं (laugh/are laughing)। **नहि** = नहीं (no)। **सन्ति** = हैं (are)।

सरलार्थ—ये (सब) कौन हैं?
ये थैले हैं।
क्या ये हरे रंग के हैं?
नहीं, ये नीले रंग के हैं।
वे कौन हैं?
वे वृद्ध (बूढ़े) हैं।
क्या वे गा रहे (गाते) हैं?
नहीं, वे हँस रहे (हँसते) हैं।

विशेष—उपर्युक्त सभी वाक्यों में बहुवचन का प्रयोग हुआ है।

पठित-अवबोधनम्—

प्रश्नाः—

I. एकपदेन उत्तरत—
(i) स्यूताः कीदृशाः सन्ति?
(ii) के हसन्ति?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत—
वृद्धाः किं कुर्वन्ति?

III. निर्देशानुसारम् उत्तरत—

(i) "वृद्धाः ....।" अत्र उचितं क्रियापदं किम्?
(अ) अस्ति (ब) सन्ति (स) स्तः (द) अस्मि

(ii) 'हसन्ति' इति पदे का धातुः अस्ति?
(अ) हा (ब) ही (स) हन् (द) हस्

(iii) 'नहि, एते नीलवर्णाः सन्ति'—इत्यत्र सर्वनामपदं किम् अस्ति?
(अ) एते (ब) नहि (स) सन्ति (द) नीलवर्णाः

(iv) बहुवचनस्य रूपं चित्वा लिखत—
(अ) वृद्धः (ब) वृद्धौ (स) वृद्धाः (द) वृद्धा

उत्तराणि— I. (i) नीलवर्णाः। (ii) वृद्धाः।
II. वृद्धाः हसन्ति।
III. (i) (ब) सन्ति। (ii) (द) हस्।
(iii) (अ) एते। (iv) (स) वृद्धाः।

पाठ्य-पुस्तक के प्रश्नोत्तर

प्रश्नः 1. (क) उच्चारणं कुरुत—(उच्चारण कीजिए-)

छात्रः	गजः	घटः
शिक्षकः	मकरः	दीपकः
मयूरः	बिडालः	अश्वः
शुकः	मूषकः	चन्द्रः
बालकः	चालकः	गायकः